www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 221 नागपुर, शुक्रवार, 7 जुलाई 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

पायलट बेटे की मौत स्वीकार नहीं, पीएम से की जांच की मांग

नई दिल्ली

विमान हादसे में मारे गए फ्लाइट लेफ्टिनेंट एस. अचुदेव के परिजनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर हादसे की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। 23 मई में अरुणाचल प्रदेश में वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें अचुदेव समेत दो पायलटों की मौत हो गई थी। हालांकि दुर्घटनास्थल से उनके शव नहीं मिले थे।

अचुदेव के पिता सहदेवन वीपी ने लिखा है कि शव का कोई हिस्सा नहीं मिलने पर परिवार अपने इकलौते बेटे की मौत को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। हम अब भी उसे लापता मानते हैं। उन्होंने पत्र में विमान हादसे के रहस्य को उजागर करने के लिए इसकी सीबीआइ या एनआइए या रॉ या आइबी से जांच कराने की मांग की।

उन्होंने लिखा है कि अचुदेव की मां उसके लौटने का इंतजार कर रही है। उसका पता लगाने के लिए जल्द से जल्द सभी संभव प्रयास किए जाने चाहिए। पुलिस ने अब तक इस संबंध में मामला दर्ज नहीं किया है। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक सहदेवन ने अट्टिंगल के सांसद ए. संपत के जरिये प्रधानमंत्री के पास पत्र भेजा है। ऐसे पत्र उन्होंने रक्षामंत्री और वायुसेना प्रमुख के पास भी भेजे हैं।

गौरतलब है कि 23 मई को असम के तेजपुर एयर फोर्स स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान अचुदेव और स्काड्रन लीडर पंकज का विमान लापता हो गया था। 26 मई को अरुणाचल प्रदेश के डौलासंग क्षेत्र में विमान का मलबा मिला था। बाद में वायुसेना ने दोनों पायलटों को मृत घोषित कर दिया था।

मृतक को जिंदा करने के लिए 3 महीने तक शव के पास बैठा रहा परिवार

मलाप्पुरम

केरल के मल्लापुरम में अजीबो-गरीब मामला देखने को मिला है। यहां कुछ लोगों ने अपने ही परिवार के एक सदस्य के शव को तीन महीने तक घर में ही रखा। दरअसल परिवार को ये विश्वास था कि मृत शख्स फिर जिंदा हो जाएगा।

मामले की भनक जब पुलिस को लगी तब मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक का नाम वी सैयद था और उसकी उम्र 50 साल थी। पड़ोसियों ने काफी समय से वी सैयद के घर से किसी के हलचल ना होने की सूचना दी थी। शिकायत के बाद पुलिस वी सैयद के घर पहुंची पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़ा और अंदर घुसी। पुलिस ने जब घर के अंदर का हाल देखा तो हैरान रह गई। वी सैयद का शव पूरी तरह सड़ चुका थाघर के अंदर ही सैयद की पत्नी और उसके तीन बच्चे भी थे। परिवार के सभी लोग सैयद के शव के पास दुआएं कर रहे थे।

पुलिस ने जब मामले की तफ्तीश शुरू की तो पता चला कि पूरा परिवार रोजाना शव के पास बैठकर उसके जिंदा होने की दुआएं करता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उपराष्ट्रपति के चुनाव में जदयू देगा विपक्ष का साथ

राहुल गांधी ने किया नीतीश का समर्थन

पटना

राष्ट्रपति चुनाव में राजग के उम्मीदवार का समर्थन किए जाने से कांग्रेस और जदयू के बीच गहरा विवाद संभवत: राहुल गांधी के हस्तक्षेप, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं से नीतीश कुमार के खिलाफ नहीं बोलने का निर्देश दिया है, समाप्त हो गया है। जदयू ने भी इस दिशा में सकारात्मक रुख अपनाते हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के साथ होने के संकेत दिए हैं।

मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने नीतीश कुमार का मजबूती से पक्ष लेते हुए अपने पार्टी के नेताओं से जदयू प्रमुख की आलोचना करने से दूर रहने का निर्देश दिया है।

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चौधरी ने अपने पार्टी उपाध्यक्ष राहुल गांधी के साथ दिल्ली में इस सप्ताह के शुरुआती दौर में मुलाकात होने की पुष्टि की पर उन्होंने बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इंकार किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राहुल ने बैठक में चौधरी को नीतीश के खिलाफ बयान जारी करने वाले पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के संकेत दिये। जिस समय कांग्रेस और जदयू में विवाद गहराया था राहुल देश के बाहर थे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने नीतीश कुमार पर 'बिहार की बेटी' मीरा कुमार की हार सुनिश्चित करने के लिए आगामी 17 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार रामनाथ कोविंद का समर्थन करने का आरोप लगाया।

आजाद ने नीतीश पर प्रत्यक्ष रूप से हमला करते हुए कहा था कि जो एक विचारधारा रखते हैं वह एक निर्णय लेते हैं जबकि जिनकी कई विचारधारा होती है वे अलग-अलग निर्णय लेते हैं। आजाद के इस टिप्पणी के बाद प्रदेश के कुछ कांग्रेस नेताओं ने भी जदयू प्रमुख पर वार किया था। नीतीश ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा था बिहार की बेटी को हराने के लिए क्यों चुना गया।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

जब नेतन्याहू संग मोदी ने बीच पर बिताए खुशनुमा पल

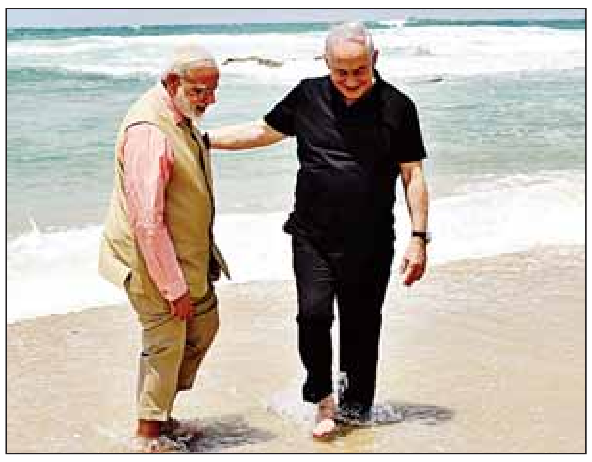

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजरायल के ऐतिहासिक दौरे पर पूरी दुनिया की नजरें हैं। भारत और इजरायल के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं, वहीं अपने दौरे के आखिरी दिन पीएम मोदी अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ समुद्र किनारे कुछ खुशनुमा पल बिताते भी नजर आए। उन्होंने डोर बीच का दौरा किया, जहां समुद्र किनारे सैर-सपाटे के साथ वे एक दूसरे के साथ बातों में मशगूल दिखे। इस दौरान की कई तस्वीरें सामने आई हैं, जो बहुत कुछ बयां कर रही हैं।

वहीं बीच पर पीएम मोदी के सामने एक मोबाइल सीवाटर डिजॉलिनेशन यूनिट का प्रदर्शन भी किया गया। यह आसान शब्दों में पानी शुद्ध करने वाला एक वाहन है, जिसके जरिए समुद्र के खारे पानी को तुरंत शुद्ध करके पीने लायक बनाया जा सकता है। उन्होंने उस पानी को पिया भी। इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर बताया कि बाढ़, भूकंप जैसे प्राकृतिक आपदाओं में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। विषम परिस्थितियों में सेना द्वारा भी उपयोग किया जा सकता है। ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति की जा सकती है। यह एक दिन में 20 हजार लीटर समुद्री जल व 80 हजार लीटर प्रदूषित नदी जल को शुद्ध कर सकता है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक स्तर पर ला सकता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने प्रथम विश्व युद्ध में शहिद हुए 44 भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के नायक दलपत सिंह के स्मारक का उद्घाटन भी किया, वहीं जवानों से मुलाकात भी की।

गौरतलब है कि पीएम मोदी का यह दौरा ऐतिहासिक है, क्योंकि वह इजरायल का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। गुरुवार को उनके इजरायल दौरे का आखिरी दिन था।

175 नए आइएएस करेंगे भीम, जीएसटी व आधार का अध्ययन

नई दिल्ली

कम से कम 175 नवनियुक्त आइएएस अधिकारियों को केंद्र के ध्वज वाहक कार्यक्रमों की गहरी जानकारी दी जाएगी। इन कार्यक्रमों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), कैश लेस लेनदेन के लिए भीम एप और आधार से लैस भुगतान प्रणाली शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को छोड़ केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में इन अधिकारियों को पदस्थापित किया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के इन अधिकारियों को 29 सितंबर तक मंत्रालयों में रहना होगा। यह कदम सरकार द्वारा नौकरशाहों को उनके संबंधित काडर राज्य में भेजने से पहले केंद्र में रखे जाने के तहत उठाया गया है। इसके बाद अधिकारी अपने संबंधित काडर में कैरियर की शुरुआत करेंगे। सहायक सचिव के रूप में पदस्थ अधिकारियों को ध्वज वाहक कार्यक्रमों या संबंधित मंत्रालय का काम आवंटित किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, इन अधिकारियों को जीएसटी जैसे सरकार के महत्वपूर्ण प्रयासों से अवगत कराया जाएगा।

जी-20 में चिनफिंग को छोड़ इन देशों के प्रमुखों से मिलेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली

जर्मनी के हैमबर्ग में होने वाले जी-20 सम्मेलन में पीएम मोदी चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को छोड़ ब्रिटेन, जापान और कनाडा समेत 8 देशों के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि पीएम मोदी और चिनफिंग की मुलाकात तय ही नहीं है, लेकिन चीन ने झूठ बोलते हुए कहा कि द्विपक्षीय औपचारिक मुलाकात के लिए 'माहौल उपयुक्त नहीं है', जबकि ऐसी कोई मुलाकात तय ही नहीं थी। हैम्बर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के बारे में पूछे जाने पर आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है।

■ शेष पृष्ठ 2 पर

राष्ट्रपति चुनाव: मीरा कुमार के बिहार दौरे पर जदयू का तंज, कांग्रेस ने दिया जवाब

पटना

राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार मीरा कुमार गुरुवार शाम को बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचीं। उन्होंने इस दौरान राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन मांगा। मीरा कुमार के बिहार दौरे को लेकर जनता दल (युनाइटेड) ने तंज कसते हुए कहा है कि बिहार की बेटी को बिहार आने में ही इतनी देर क्यों हो गई?

मीरा कुमार शुक्रवार को भोजपुर जिले में अपने पैतृक गांव चांदवा पहुंचेंगी। इस दौरान वे राजद-कांग्रेस की संयुक्त बैठक में शामिल होंगी। इस बैठक में राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के भी शामिल होने की संभावना है। कांग्रेस विधायक शकील अहमद खान ने कहा, मीरा कुमार राजद प्रमुख लालू प्रसाद से भी मिलेंगी, जिन्होंने मीरा को विपक्ष का उम्मीदवार घोषित होने के बाद उन्हें बिहार की बेटी कहा था।

इधर, मीरा कुमार के बिहार प्रवास के कार्यकम पर जद (यू) प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, अगर मीरा बिहार की बेटी हैं तो उन्हें पहले आना चाहिए था, इतने दिन बाद आ रही हैं। मीरा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुलाकात तो तब होगी, जब वे इसके लिए समय लेंगीं।

इस पर कांग्रेस के दिलीप चौधरी ने पलटवार करते हुए कहा, मीरा कुमार बिहार की बेटी है, इसके लिए किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। जहां तक बिहार पहले नहीं आने की बात है, यह कोई मुद्दा नहीं है। घर में तो लोग कभी भी आते हैं।

बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल युनाइटेड (जदयू), राजद और कांग्रेस महागठबंधन सरकार राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवारों को लेकर बंटी हुई है।

राजद और कांग्रेस जहां मीरा कुमार के समर्थन में है, वहीं बिहार के मुख्यमंत्री और जद (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार रामनाथ कोविंद के प्रति समर्थन जताया है।

कर्नाटक में हिंदी के साथ अब अंग्रेजी का भी विरोध

बेंगलूर

कर्नाटक में हिंदी के जबर्दस्त विरोध के बाद अब कन्नड समर्थकों के लिए अंग्रेजी ज्वलंत मुद्दा है। हिंदी के लिए जारी विरोध के बीच कन्नड समर्थित संगठन-कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) ने गुरुवार को बेंगलूर के इको टेक पार्क के पास स्थित एक मॉल के रेस्त्रां के हिंदी व अंग्रेजी में लिखे गए नाम पर विरोध जताते हुए नष्ट कर दिया।

हिंदी विरोधी ट्वीटर कैंपेन के बाद (हमारी मेट्रो, हम नहीं चाहते हिंदी) दो मेट्रो स्टेशनों चिकपेट और मैजेस्टिक के हिंदी में लिखे गए नामों को पेपर और टेप की मदद से ढंक दिया। ये मेट्रो बोर्ड कन्नड, अंग्रेजी और हिंदी में थे।

केआरवी कार्यकर्ता प्रवीण शेट्टी ने रेस्त्रां के खिलाफ हिंदी और अंग्रेजी विरोधी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि हमने यह इसलिए किया क्योंकि बिजनेस और अपने फायदे के लिए कर्नाटक की जमीन और यहां कि इलेक्ट्रिसिटी का उपयोग किया जाता है लेकिन वे कन्नड़ भाषा के उपयोग या कन्नड़ लोगों को नौकरी नहीं देना चाहते हैं। शेट्टी ने आगे कहा कि यदि कर्नाटक में हिंदी व अंग्रेजी का उपयोग किया जाता है तो उनकी मांग है कि दिल्ली व अन्य जगहों में कन्नड भाषा का उपयोग किया जाए। यदि दिल्ली व अन्य जगहों पर आप कन्नड साइनबोर्ड का उपयोग करते हैं तो हम भी कर्नाटक में हिंदी व इंग्लिश का उपयोग करेंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने हिंदी विरोधी ब्रिगेड का समर्थन किया और अधिकारियों से पता लगाने को कहा है कि गैर हिंदी भाषी राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल आदि में क्या पॉलिसी अपनायी गयी है। मुख्यमंत्री के निर्देश का अनुसरण करते हुए कन्नड विकास अधिकरण ने मंगलवार को बेंगलूर मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड को नोटिस जारी कर दिया जिसमें सवाल किया कि वह तीन भाषाओं वाली पॉलिसी का उपयोग क्यों कर रहा है।

राष्ट्रीय चरित्र व संस्कृति के खिलाफ बोलने वालों की अनदेखी करें - वेंकैया

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि जो लोग राष्ट्रीय चरित्र, मूल्यों और संस्कृति के खिलाफ बोलते हैं और अपने विचारों को दूसरों पर थोपते हैं, उनकी अनदेखी की जानी चाहिए।

नायडू ने प्रसार भारती की क्षेत्रीय समाचार इकाई को संबोधित करते हुए गुरुवार को कहा कि भारत एक आजाद देश है और यहां सबको आजादी है। लेकिन इसकी संवैधानिक सीमा भी है। किसी को यह हक नहीं कि वह अपनी भाषा, संस्कृति, खानपान की आजादी दूसरों पर थोंपें। साफ तौर पर सरकारी नीति यही है। कोई व्यक्ति किसी और को ठेस या नुकसान पहुंचाकर खुद को महान साबित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में जो हो रहा है उसकी अनदेखी और कड़ी निंदा की जानी चाहिए। देश और समाज को बदनाम करने के लिए उन लोगों को हाईलाइट नहीं किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री नायडू ने यह बात जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में हंगामे के दो दिन बाद कही है। राज्य में मंत्री इमरान अंसारी ने विधानसभा में जीएसटी पर चर्चा के दौरान नेशनल कांफ्रेंस के नेता देवेंद्र राणा से कहा था कि मैं आपको यहीं मार सकता हूं। भाजपा जम्मू-कश्मीर में पीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार में साझीदार है। नायडू ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जिक्र करते हुए कहा कि मुखर्जी देश की एकता के लिए लड़े और जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में अपने प्राणों का बलिदान किया।

पद्म पुरस्कारों के लिए 2,500 हस्तियों ने किए आवेदन

नई दिल्ली

इस साल के पद्म पुरस्कारों के लिए विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 2,500 से अधिक लोग अब तक आवेदन कर चुके हैं। इन पुरस्कारों के नामों की घोषणा अगले वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाएगी।

2018 के शीर्ष नागरिक सम्मान के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर, 2017 है। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। इस सम्मान को हासिल करने के लिए 30 जून तक 2,500 से अधिक लोग आवेदन कर चुके हैं। पिछले साल 18,761 लोगों ने पद्म पुरस्कारों के लिए आवेदन किया था। इन पुरस्कारों के

माध्यम से कला, साहित्य व शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान व इंजीनियरिंग, लोक कार्य, लोकसेवा, व्यापार व उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों व विषयों में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वालों को सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन या सिफारिशें मंत्रालय द्वारा डिजाइन किए गए पद्म पोर्टल पर ही ऑनलाइन प्राप्त की जा सकती है। ऑनलाइन नामांकन या सिफारिशें डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पद्मअवार्ड्स डॉट जीओवी डॉट इन पर भेजी जा सकती हैं।

भारत में होती हैं सबसे ज्यादा 'सेल्फी डेथ'

मुंबई

कार्नेड मेलन यूनिवर्सिटी और इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ दिल्ली की एक रिपोर्ट में ये कहा गया है कि दुनिया में सेल्फी से होने वाली मौत भारत में सबसे ज्यादा हैं। नौ दिन पहले 17 वर्षीय एक लड़की की मुंबई के मशहूर मरीन ड्राइव पर अपने दोस्तों के साथ सेल्फी लेते समय मौत हो गई। सुरक्षा उपायों की अनदेखी करते प्रीति पीसे नाम की लड़की देश में अकेली नहीं है जिसकी मौत सेल्फी लेने के समय हुई। बताया जाता है कि जब वो अपनी तस्वीर कैमरे में कैद कर रही थी तभी पलक झपकते ही एक लहर आई और उसे समुद्र में खींच ले गई।

सेल्फी, सेल्फी डेथ में तब्दील

2013 में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी द्वारा 'सेल्फी' को 'वर्ड ऑफ द इयर' के रुप में घोषित किया गया था, जिसका परिणाम ये है कि आज हर पीढ़ी के लोग इसके दीवाने हैं। सेल्फी की दीवानगी केवल आम लोगों में ही नहीं बल्कि मशहूर हस्तियों में इसकी चाहत देखी जाती है। वे अक्सर अपनी सेल्फी तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते रहते हैं। समय बीतता गया और सेल्फी शब्द 'सेल्फी डेथ' में तब्दील हो गया। आए दिन अखबारों में सेल्फी को लेकर हो रही मौतों की खबर आ रही है। अब प्रीति पीसे के केस में इसे किलर सेल्फी के नाम से जाना जा रहा है। पुलिस डिप्टी कमिश्नर परमजीत दहिया ने कहा कि पुलिस ने सभी सुरक्षा के पैमानों को ध्यान में रखकर सभी सेल्फी प्वॉइंट्स पर पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त किये गए हैं।

पुलिस ट्वीट के जरिए कर रही जागरूक

जब मौसम खराब होता है लोगों को वहां सेल्फी लेने जाने से मना किया जाता है। साथ ही उन्हें खतरनाक स्टंट्स ना करने की भी सलाह दी जाती है।

मुंबई पुलिस ने इन ट्वीट्स के जरिए नागरिकों को अलर्ट रहने की गुजारिश की है। 28 जून को उन्होंने ट्वीट किया- सेल्फी मॉनसून टिप्स- सेल्फी लेने को जानलेवा मत बनायें।

सेल्फी बिफोर सेल्फी- सेल्फी लेना मना है, क्योंकि कोई भी आपको मृत नहीं देख सकता है। कार्नेड मेलन यूनिवर्सिटी और इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ दिल्ली के शोधकर्ताओं द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट मी मायसेल्फ और माईकिल्फी में ये कहा गया है कि पूरी दुनिया में मार्च 2014 से सितंबर 2016 के बीच सेल्फी से सबसे ज्यादा मौत भारत में हुई है। रिपोर्ट में 127 सेल्फी मौतों का जिक्र है जिसमें 72 मौतें भारत में हुई हैं।

■ शेष पृष्ठ 2 पर